द आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस आयोजन सम्पन्न

पायनियर संवाददाता ➤ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

द आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर सभी छात्र छात्राएं तथा विश्वविद्यालय परिवार पावन ध्वज तिरंगे के नीचे स्वतंत्र भारतीय गणतंत्र दिवस का महोत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए, सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सत्यप्रकाश दुबे ने विश्वविद्यालय प्रांगण में छात्रों की परेड के साथ, ध्वजारोहण किया तत्पश्चात राष्ट्रगान जन-गण-मन समवेत स्वर में प्रस्तुत किया गया, 26 जनवरी हम सभी के लिए गौरव का दिन है, हर भारतीय हर्ष और उल्लास के साथ इस राष्ट्रीय पर्व को मनाते है। चूंकि यह दिवस प्रत्येक भारतीय के जीवन में एक विशेष महत्व रखता है। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में हम सब यहां एकत्रित हुए हैं और हमें गर्व है कि हम सभी भारत के नागरिक हैं। यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हर भारतवासी के लिए गर्व और सम्मान का क्षण है। इस अवसर पर कुलपति ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम अपना गणतंत्र दिवस मना रहे है, मातृभूमि को देश को, देश के अमर शहीदों को शत-शत् नमन। परिस्थितियां कैसी भी हो, राष्ट्र के प्रति दृढ़ निष्ठा, सम्मान और संकल्प हमारे लिए सर्वोपरि हो, हमारा अपने राष्ट्र के प्रति आत्मिक सम्मान हो, राष्ट्र की प्रगति हमारा प्रथम कर्त्तव्य होना चाहिए। हम चाहें कितनी भी तकनीक को समझ लें, जान ले किन्तु देश के प्रति हमारे संकल्प सदैव देश की प्रगति के लिए हो। देश के इस पावन अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए हम एक विकसित राष्ट्र को दशा और दिशा दे सकते है। अपने अधिकार और जिम्मेदारियों को बारीकी से समझने की आवश्यकता है, जो एक समृद्ध, लोकतांत्रिक समाज में रहने के साथ-साथ चलती हैं। जिनमें देश के नागरिक के जीवन से जुड़े, हर पहलू सम्मिलित हो, जिनमे प्रकृति संरक्षण, वन्य जीवो का संरक्षण, प्रदूषण से मुक्त वातावरण स्थापित करने की बात हो, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, ध्वनि प्रदूषण जैसी व्यवस्थाएं भी शामिल हों। सामाजिक सेवाओं और बुनियादी ढाँचे की परियोजनाएं भी शामिल हों। हमारे कर्तव्यों में सबसे पहला कर्तव्य देश की प्रगति, विकास और उसे स्वच्छता प्रदान करना हो, हम अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, प्रकृति को संरक्षित करें और अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी से निर्वहन हो, यही हमारी देश के प्रति सच्ची देश भक्ति होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। देश भक्ति गीतों से पूरा विश्वविद्यालय गूंज उठा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचितव डॉ मनीष उपाध्याय सहित, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। भारत के उन सभी नायकगण जिन्होंने हमें आजादी दिलाने में स्वयं को न्यौछावर कर दिया, आज उन्हें स्मरण करते हुए उपस्थित सभी ने श्रद्धा पूर्वक नमन किया।